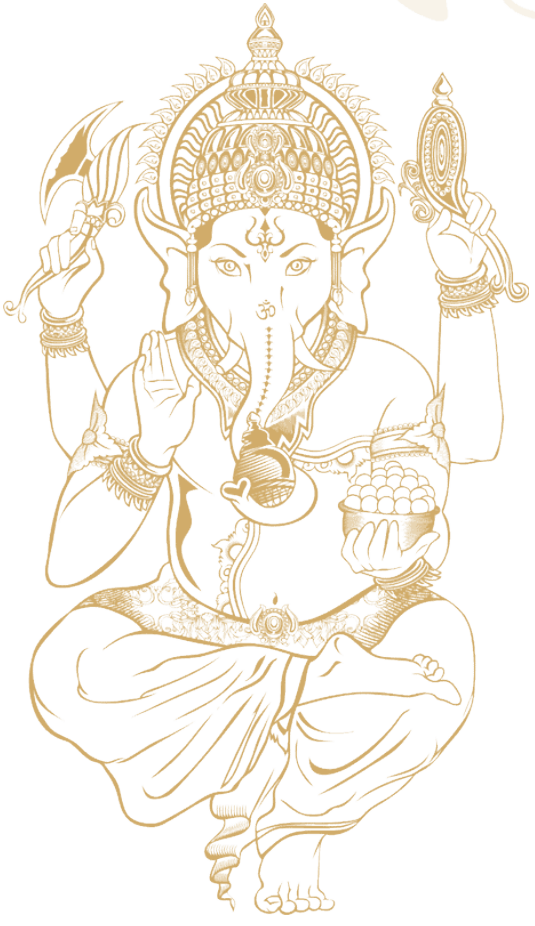

Pihu Kumari

30 Apr 2017

09:30 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121099208

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/04/2017**
दिन	रविवार
जन्म समय	**09:30:00 घंटे**
इष्ट	10:35:50 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:40:00 घंटे
वेलान्तर	00:02:46 घंटे
साम्पातिक काल	00:13:10 घंटे
सूर्योदय	05:15:39 घंटे
सूर्यास्त	18:19:11 घंटे
दिनमान	13:03:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	15:54:40 मेष
लग्न के अंश	19:13:41 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	सुकर्मा
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुसुम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:13:41	318:10:08	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			मेष	15:54:40	00:58:17	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	उच्च राशि
चंद्र			मिथु	07:14:58	14:39:13	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल			वृष	11:55:17	00:41:12	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	सम राशि
बुध	व	अ	मेष	00:39:41	00:16:43	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	सम राशि
गुरु	व		कन्या	21:27:08	00:06:27	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	06:39:02	00:28:58	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि	व		धनु	03:14:20	00:02:15	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
राहु	व		सिंह	06:31:55	00:06:10	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	06:31:55	00:06:10	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	01:16:11	00:03:21	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
नेप			कुंभ	19:34:30	00:01:27	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	---
प्लूटो	व		धनु	25:16:45	00:00:17	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			मीन	09:29:18	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:47

लग्न-चलित

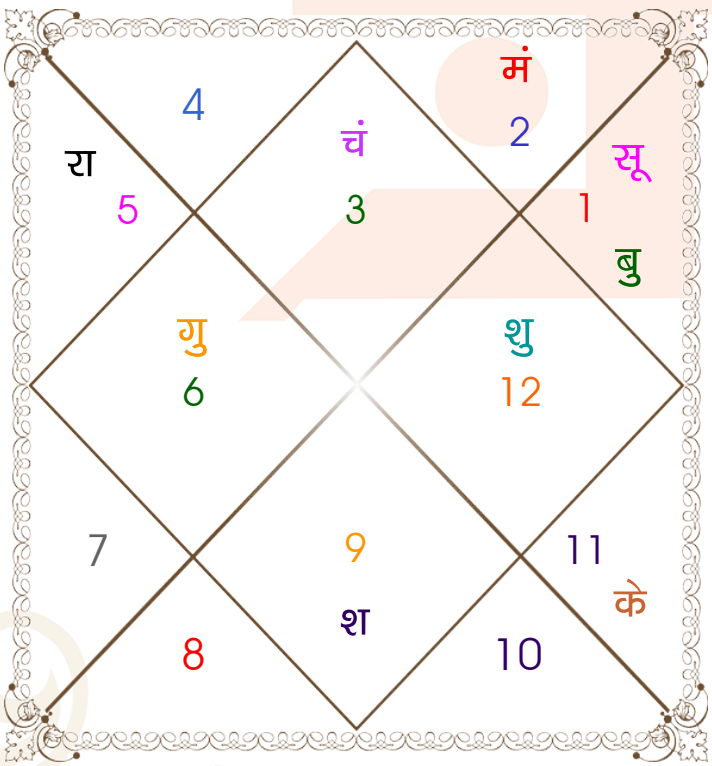

चन्द्र कुंडली

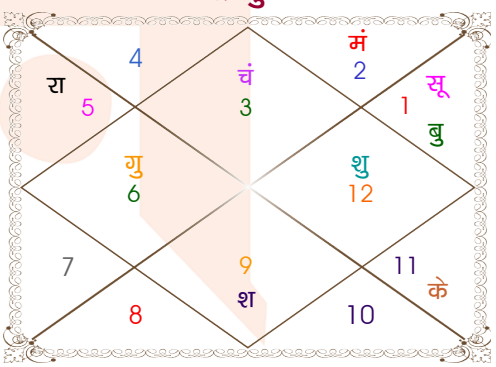

नवमांश कुंडली

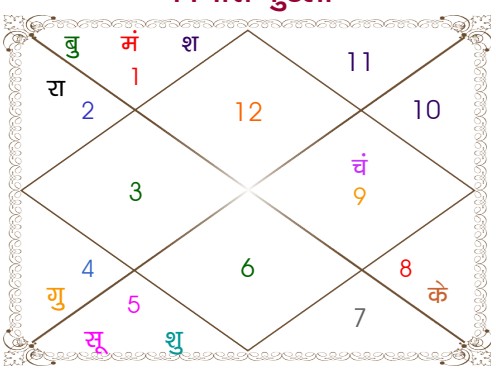

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 17 वर्ष 2 मास 16 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/04/2017		17/07/2034		17/07/2050		17/07/2069		17/07/2086	
17/07/2034		17/07/2050		17/07/2069		17/07/2086		17/07/2093	
राहु	30/03/2019	गुरु	03/09/2036	शनि	20/07/2053	बुध	13/12/2071	केतु	13/12/2086
गुरु	22/08/2021	शनि	18/03/2039	बुध	29/03/2056	केतु	10/12/2072	शुक्र	12/02/2088
शनि	28/06/2024	बुध	22/06/2041	केतु	08/05/2057	शुक्र	10/10/2075	सूर्य	19/06/2088
बुध	16/01/2027	केतु	29/05/2042	शुक्र	07/07/2060	सूर्य	16/08/2076	चंद्र	18/01/2089
केतु	03/02/2028	शुक्र	27/01/2045	सूर्य	19/06/2061	चंद्र	15/01/2078	मंगल	16/06/2089
शुक्र	03/02/2031	सूर्य	16/11/2045	चंद्र	19/01/2063	मंगल	13/01/2079	राहु	05/07/2090
सूर्य	29/12/2031	चंद्र	18/03/2047	मंगल	28/02/2064	राहु	01/08/2081	गुरु	11/06/2091
चंद्र	29/06/2033	मंगल	21/02/2048	राहु	03/01/2067	गुरु	07/11/2083	शनि	20/07/2092
मंगल	17/07/2034	राहु	17/07/2050	गुरु	17/07/2069	शनि	17/07/2086	बुध	17/07/2093

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/07/2093		18/07/2113		18/07/2119		18/07/2129		18/07/2136	
18/07/2113		18/07/2119		18/07/2129		18/07/2136		00/00/0000	
शुक्र	15/11/2096	सूर्य	04/11/2113	चंद्र	18/05/2120	मंगल	14/12/2129	राहु	01/05/2137
सूर्य	16/11/2097	चंद्र	06/05/2114	मंगल	17/12/2120	राहु	01/01/2131		00/00/0000
चंद्र	17/07/2099	मंगल	11/09/2114	राहु	18/06/2122	गुरु	08/12/2131		00/00/0000
मंगल	16/09/2100	राहु	06/08/2115	गुरु	18/10/2123	शनि	16/01/2133		00/00/0000
राहु	17/09/2103	गुरु	24/05/2116	शनि	18/05/2125	बुध	13/01/2134		00/00/0000
गुरु	18/05/2106	शनि	06/05/2117	बुध	17/10/2126	केतु	11/06/2134		00/00/0000
शनि	18/07/2109	बुध	12/03/2118	केतु	18/05/2127	शुक्र	12/08/2135		00/00/0000
बुध	18/05/2112	केतु	18/07/2118	शुक्र	16/01/2129	सूर्य	17/12/2135		00/00/0000
केतु	18/07/2113	शुक्र	18/07/2119	सूर्य	18/07/2129	चंद्र	18/07/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 17 वर्ष 2 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।